भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1631
बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वदेशी जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली

†1631. डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवती:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मंत्रालय द्वारा वर्तमान में किन-किन जलवायु पूर्वानुमान प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है;

(ख) क्या सरकार का विचार देश की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुकूल स्वदेशी जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करने का है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) स्वदेशी जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करने के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत और व्यय की गई है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क)-(ग) IITM-ESM के नाम से एक अत्याधुनिक पृथ्वी प्रणाली मॉडल (ESM) स्वदेशी रूप से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन जलवायु परिवर्तन अनुसंधान केंद्र (CCCR), भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) में विकसित किया गया है। यह भारत का पहला पृथ्वी प्रणाली मॉडल है और IITM-ESM का उपयोग करके किया गया जलवायु परिवर्तन आंकलन, जलवायु परिवर्तन संबंधी अंतर सरकारी पैनल (IPCC) द्वारा तैयार की गई नवीनतम छठी आंकलन रिपोर्ट में उपयोग किया गया था । क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन अनुमानों का दस्तावेजीकरण करने वाली राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन आकलन रिपोर्ट छात्रों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं को लाभ पहुंचाने के लिए जारी की गई है। यह रिपोर्ट https://link.springer.com/book/10.1007/978-981-15-4327-2 पर उपलब्ध है।

(घ) वर्ष 2017-2023 की अवधि के लिए CCCR द्वारा अनुमानित व्यय लगभग 7.42 करोड़ रूपये है।

****